बालचन्द्र अध्यात्मी

जीवन-परिचय : बालचंद्र अध्यात्मी मूलसंघ, देशीयगण और पुस्तकगच्छ के विद्वान थे। इनके गुरु नयकीर्ति थे, जो गुणचन्द्र सिद्धान्तचक्रवर्ती के शिष्य थे। इनके भाई का नाम दामनन्दी था। अनेक शिलालेखों में बालचन्द्र की स्तुति के पद्य मिलते हैं।

इनका समय ईस्वी सन् 1170 माना जाता है।

रचना-परिचय : बालचन्द्र अध्यात्मी के द्वारा रचित 5 टीकाएँ उपलब्ध हैं—

1. समयसार टीका
2. प्रवचनसार टीका
3. पंचास्तिकाय टीका
4. परमात्मप्रकाश टीका
5. तत्त्वरत्न प्रदीपिका (तत्त्वार्थसूत्रटीका)

ये सभी टीकाएँ बड़ी सुन्दर और अध्यात्म विषय पर विस्तृत प्रकाश डालती हैं। सभी का विषय मूल ग्रन्थों के अनुसार ही है।